अध्याय
18

वाक्य या वाक्यांश के लिये एक शब्द

किसी भी समृद्ध भाषा का एक महत्त्वपूर्ण गुण होता है– कम शब्दों में भावों एवं विचारों की अधिकाधिक अभिव्यक्ति। हिन्दी भाषा इस क्षेत्र में अत्यंत समृद्ध है। संधि, समास आदि हिन्दी भाषा के इसी गुण के परिचायक हैं और इसी श्रेणी में वाक्य या वाक्यांश के लिये एक शब्द भी समान रूप से सम्मिलित है। इसे 'अनेक शब्दों के लिये एक शब्द' के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य, विशिष्ट व गुणवत्तापूर्ण लेखन और विशेषकर संक्षिप्तीकरण में इसकी उपयोगिता स्वत:सिद्ध है।

भाषा अपनी विकास-यात्रा में इस प्रकार की आवश्यकता की महत्ता को महसूस करते हुए तदनुरूप शब्दों का निर्माण एवं अधिग्रहण करती है। इनके माध्यम से कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक अर्थों या भावों की अभिव्यक्ति हो सकती है। यहाँ यह कहना विशेष तर्कसंगत होगा कि यदि अनेक शब्दों के प्रयोग की बजाय एक शब्द ही पूर्ण अर्थ प्रदान करने में सक्षम हो तो एक शब्द का प्रयोग युक्तिसम्मत होगा। 'वाक्य या वाक्यांश के लिये एक शब्द' की सूची काफी लंबी है, फिर भी नीचे कुछ महत्त्वपूर्ण वाक्य या वाक्यांशों के लिये एक शब्द दिये जा रहे हैं-

'अ' वर्ण से संबंधित	
वाक्य या वाक्यांश	**एक शब्द**
पुरुष-गोद में सोने वाली स्त्री	अंकशायिनी
गोद में स्थित/जो गोद में हो	अंकस्थ
बही-खाता के हिसाब की जाँच करने वाला	अंकेक्षक
अंडे से उत्पन्न (जन्म) होने वाला	अंडज
मूलकथा में प्रसंगवश प्रयुक्त लघुकथा	अंत:कथा
महल में रानियों का निवास-स्थान	अंत:पुर
सबके अंत:करण (मन) की बात जानने वाला	अंतर्यामी
पृथ्वी और आकाश के मध्य का क्षेत्र/स्थान	अंतरिक्ष
जिसे जीता न जा सके	अजेय
गुरु के साथ या समीप रहने वाला विद्यार्थी	अंतेवासी
निम्न वर्ण में जन्म लेने वाला	अंत्यज
बिना विचारे (सोचे-समझे) विश्वास करने वाला	अंधविश्वासी
बिना विचारे (सोचे-समझे) अनुगमन करने वाला	अंधानुगामी
जो कहा (अभिव्यक्त) न गया हो	अकथित
जो कहा (अभिव्यक्त) न जा सके	अकथनीय
जिसको काटा (तर्क से) न जा सके	अकाट्य
जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके	अच्युत
जो इंद्रियों द्वारा जाना न जा सके	अगोचर
जिसकी सर्वप्रथम गिनती हो	अग्रगण्य
जिसका जन्म पहले हुआ हो	अग्रज (बड़ा भाई)
जो सबसे आगे रहता हो (सबसे आगे रहने वाला)	अग्रणी
जो स्त्री सूर्य भी न देख सके	असूर्यम्पश्या
जो घटित न हुआ हो	अघटित